

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
31.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1396 का उत्तर

कोझीकोड रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना

1396. श्री एम. के. राघवन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) कोझीकोड-बंगलौर रेल मार्ग में ओवर क्रॉसिंग की भीड़ को कम करने के लिए सरकार द्वारा परिकल्पित कदमों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार के पास कोझीकोड रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना की प्रगति के प्रतिशतता संबंधी आंकड़े हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने उत्तर केरल में कार्यालय/विद्यालय जाने के समय के दौरान भारी भीड़ पर ध्यान दिया है और यदि हां, तो इसके समाधान के लिए उठाए गए/उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार की वंदे भारत सहित कोझीकोड-बंगलौर क्षेत्र में नई रेलगाड़ियां शुरू करने की योजना है;
- (ङ) बंगलौर-मंगलौर-कन्नूर रेलगाड़ी का कोझीकोड तक विस्तार करने और पालक्कड़ के रास्ते मंगलौर-रामेश्वरम रेलगाड़ी शुरू करने की घोषणा करने में कितना समय लगने की संभावना है; और
- (च) क्या सरकार का गोवा-मंगलौर वंदे भारत, जो घाटे में चल रही है, को कोझीकोड के रास्ते कोयम्बटूर तक बढ़ाने का विचार है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

कोझीकोड रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री एम. के. राघवन के अतारांकित प्रश्न सं. 1396 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च) चूंकि, रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के बाहर फैला हुआ है, इसलिए ऐसी सीमाओं के आर-पार रेलगाड़ियों का संचालन नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार किया जाता है। वर्तमान में, बंगलुरु-कोझीकोड खंड को 2 जोड़ी रेलगाड़ियां सेवित करती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल द्वारा, यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जाता है और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए स्थायी और अस्थायी दोनों आधार पर रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ाई जाती है। बहरहाल, भारतीय रेल पर वंदे भारत रेलगाड़ियों सहित रेलगाड़ियों की शुरुआत और विस्तार करना सतत् प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता आदि पर निर्भर करता है।

रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अब तक, इस योजना के तहत 1324 रेलवे स्टेशनों का चिह्नित किया गया है, जिनमें केरल राज्य में 35 रेलवे स्टेशनों को इस योजना के तहत विकसित किए जाने के लिए चिह्नित किया गया है। केरल राज्य के अंतर्गत आने वाला कोझीकोड स्टेशन को भी इस योजना के तहत चिह्नित किया गया है। कोझीकोड स्टेशन के पुनर्विकास के लिए निविदा प्रदान कर दी गई है तथा कार्य शुरू हो गया है।

इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों तक पहुंच मार्ग में सुधार लाना, परिचलन क्षेत्रों, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकता अनुसार लिफ्टों/स्वचालित सीढ़ियों, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, एक स्टेशन एक उत्पाद जैसी योजनाओं के जरिए स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणालियों, एकजीक्यूटिव लाउंज, व्यापारिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुख-सुविधाओं को बेहतर करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और इन्हें विभिन्न चरणों में कार्यान्वित करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार स्टेशन इमारत में सुधार लाने, शहर के दोनों ओर से स्टेशन को एकीकृत करने, परिवहन के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान करना

आदि, दीर्घावधि में स्टेशन पर व्यवर्हायता के आधार पर सिटी सेंटर की चरणबद्ध योजना बनाने और निर्माण करने की भी परिकल्पना की गई है।

इसके अतिरिक्त, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए अग्नि संबंधी स्वीकृति, धरोहर, वृक्षों की कटाई, हवाईपत्तन की स्वीकृति आदि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। जनोपयोगिताओं की शिफ्टिंग (जल/सीवेज लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइनें, बिजली/सिगनल केबल आदि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्रियों की आवाजाही में बाधा डाले बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज विद्युत लाइनों के निकटवर्ती कार्यों में गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रगति प्रभावित होती है और ये कारक समापन समय को प्रभावित करते हैं।
